1. देश के करोड़ों किसानों, वंचितों, पिछड़ों, दलितों, ग़रीबों, उपेक्षितों, महिलाओं के विकास का मार्ग केवल सहकारिता के माध्यम से ही प्रशस्त हो सकता है।

2. सहकारिता के बिना ग़रीब कल्याण और अंत्योदय की कल्पना करना संभव नहीं है।

3. सहकारिता आंदोलन भारत के ग्रामीण समाज की प्रगति भी करेगा और एक नई सामाजिक पूंजी की अवधारणा भी खड़ी करेगा।

4. सहकारिता क्षेत्र कृषि व भारत की उन्नति का मुख्य स्तंभ बन सकता था लेकिन इतने दशकों तक किसी ने सहकारी क्षेत्र के बारे में नहीं सोचा। और ऐसे समय पर जब सहकारिता आंदोलन की सबसे ज़्यादा ज़रूरत थी, तब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने एक स्वतंत्र नया सहकारिता मंत्रालय बनाकर सहकारिता क्षेत्र की उपेक्षा के युग को समाप्त कर सहकारिता की प्राथमिकता के युग की शुरुआत की है

5. भारत की जनता के स्वभाव में सहकारिता घुलमिल गई है और संस्कार में सहकारिता है, और ये कोई उधार लिया हुआ विचार (Concept) नहीं है, इसीलिए भारत में सहकारिता आंदोलन कभी भी अप्रासंगिक नहीं हो सकता।

6. प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के मन की इच्छा है कि छोटे से छोटे व्यक्ति को विकास की प्रक्रिया में हिस्सेदारी बनाना, सहकारिता की प्रक्रिया से हर घर को समृद्ध बनाना और हर परिवार की समृद्धि से देश को समृद्ध बनाना, यही सहकार से समृद्धि का मंत्र है

7. अगर छोटे-छोटे लोगों की बड़ी संख्या एकजुट होकर, एक लक्ष्य के साथ, बंधुत्व भाव से एक दिशा में काम करें तो एक बड़ी ताकत की निर्मिति हो सकती है यही सहकारिता का मूलमंत्र भी है।

8. मोदीजी का मानना है कि सहकारिता के बैगर देश का समविकास असंभव है। हर व्यक्ति का समान विकास न कम्युनिस्ट न पूंजीवादी थ्योरी से हो सकता है यह सिर्फ सहकारिता से हो सकता है व इसी मॉडल को हमें आगे बढ़ाना है।

9. किसी एक देश का आर्थिक विकास कई रास्तों से हो सकता है मगर हर व्यक्ति का आर्थिक विकास में योगदान और हर व्यक्ति तक कुछ न कुछ आर्थिक विकास का फायदा पहुंचे, ये सिर्फ सहकारिता से ही संभव है।

10. गुजरात की भूमि ने सरदार पटेल और महात्मा गांधी के सहकारिता के सिद्धांतों को जमीन पर उतारकर और सहकारी क्षेत्र के मूल्यों के उम्दा मापदंड स्थापित कर विश्व में सहकारिता की भावना की अनोखी पहचान खड़ी की है।
11. सहकारिता क्षेत्र में सफल प्रयोगों, कृषि व पशुपालन से जुड़े विषयों को आगे बढाने और सहकारिता के माध्यम से कृषि को आत्मनिर्भर बनाने हेतु मोदी सरकार कृतसंकल्पित है।
12. सहकारिता के माध्यम से जब हम अनेक लोगों को जोड़कर एक प्रचंड शक्ति का निर्माण होते हुए देखते हैं तब पता चलता है कि छोटे-छोटे लोगों की क्षमता क्या होती है और वह राष्ट्र निर्माण में कितना बड़ा योगदान दे सकती है।
13. अमूल ने सहकारिता के मूलतत्व को समाहित रखते हुए मार्केटिंग, मैनेजमेंट व उत्पादन में विज्ञान के सिद्धांत को स्वीकार कर अपनी तकनीक में आमूलचूल परिवर्तन किया। इस परिवर्तन से पूरे सहकारिता क्षेत्र के लोगों को सीखना चाहिए क्योंकि जो समय के साथ नहीं बदलते वो खुद को आगे नहीं बढ़ा पाते।
14. भारत के सहकारिता आंदोलन के पुरोधाओं ने हमें जो यह मजबूत प्लेटफार्म दिया है उस पर हम सबको मिलकर एक मजबूत इमारत खड़ी करनी है। संकल्प शक्ति, साफ नीयत, परिश्रम व संघ भाव से काम करना इन 4 सूत्रों को आत्मसात कर ही हम सहकारिता आंदोलन को गति दे सकते हैं।

15. प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के 5 ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी व आत्मनिर्भर भारत के सपने को सिद्ध करने हेतु सहकारिता से बड़ा कोई मार्ग नहीं हो सकता है।

16. भारत में कौनसा आर्थिक मॉडल फीट होगा यह बड़ी चुनौती थी लेकिन प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने गुजरात सीएम रहते हुए ही परख लिया था कि इतने बड़े देश में अगर सर्वस्पर्शीय, सर्वसमावेशी विकास का कोई आर्थिक मॉडल हो सकता है तो सहकारिता का मॉडल हो सकता है, इसलिए मोदी जी ने नया सहकारिता मंत्रालय बनाया।

17. प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में 'सहकार से समृद्धि' का मंत्र सहकारिता क्षेत्र को और सशक्त करने व इससे जुड़े लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने में मील का पत्थर सिद्ध होगा।

18. सहकारिता के माध्यम से गरीब से गरीब व्यक्ति के जीवन स्तर को ऊपर उठाने व छोटे किसानों को समृद्ध बनाना है तो ये सिर्फ देश की युवा शक्ति ही कर सकती है।
19. जिस दिन आप खुद की बजाए दूसरों के लिए सोचना शुरू करते हैं तो बहुत सारे लोग आपके लिए सोचते हैं, यही जीवन में सफलता का मंत्र है।